अध्ययन सामग्री निर्माण
Dr. SHAKEEL HUSAIN
Head . Dept. of Political Science
Govt. VYT.PG Autonomous College
Durg CG.
shakeelvns27@gmail.com

नागरिक समाज **CIVIL SOCIETY**

आजकल की अत्यधिक लोकप्रिय शब्दावली व्यस्तता 1980 के दशक में राजनीतिक और आर्थिक आंदोलनों के दौरान विकसित हुई और चर्चा में आई जिसमें सामान्यता राज्य के विरुद्ध अथवा राज्य की दमनकारी शक्ति के विरुद्ध पूर्वी यूरोप और दक्षिण अमेरिका में अधिकारों से वंचित नागरिकों के समर्थन में जो राजनीतिक और आर्थिक आंदोलन हुए उनके संबंध में ही यह शब्दावली का विकास हुआ क्योंकि जो लोग दूसरों के नागरिक अधिकारों के लिए कार्य कर रहे थे ऐसे लोगों के समूह और संस्थाओं के समूह को सिविल सोसाइटी कहा गया इसे सरकार और वाणिज्य व्यवसाय के अतिरिक्त थर्ड सेक्टर भी कहा गया जो राजनीतिक समुदाय के निर्माण और उसकी क्रियान्वयन शक्ति को प्रभावित करने की हैसियत रखता है ।
टिमोथी जे. पीटरसन और जॉन वैन टिल के अनुसार
परोपकार और नागरिक गतिविधि के बारे में समकालीन विचार में "नागरिक समाज" एक केंद्रीय विषय बन गया है, फिर भी इसे परिभाषित करना मुश्किल है, स्वाभाविक रूप से जटिल है, और एक एकल सैद्धांतिक लेंस के माध्यम से वर्गीकृत या व्याख्या किए जाने के लिए प्रतिरोधी है। यह शब्द तेजी से यह सुझाव देने के लिए उपयोग किया जाता है कि सार्वजनिक जीवन को समाजों के भीतर और उनके बीच कैसे कार्य करना चाहिए; साथ ही, यह स्वैच्छिक संघों या मध्यस्थ निकायों के संदर्भ में होने वाली सामाजिक क्रिया का वर्णन करने का एक तरीका प्रदान करता है।"

इसे विश्व बैंक ने इस प्रकार परिभाषित किया है "नागरिक समाज का संबंध संगठनों समुदायों समूह और स्वयंसेवी संगठनों के उस विविध रूपों से है जो सिर्फ श्रमिक संगठनों जनजातीय समूहों चैरिटेबल दमोह आस्था आधारित समूह व्यवसायिक समूह और संगठनों के रूप में कार्य करते हैं
According to the World Bank: "Civil society ... refers to a wide array of organizations: community groups, non-governmental organizations [NGOs], labour unions, indigenous groups, charitable organizations, faith-based organizations, professional associations, and foundations."

उपरोक्त विश्लेषण से सिविल सोसाइटी की निम्नलिखित विशेषताएं स्पष्ट होती हैं

- सिविल सोसाइटी या नागरिक समाज सामान्यता राज्य की प्रभुत्वकारी शक्ति के विरुद्ध एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य करती है ।
- सिविल सोसाइटी वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए कार्य करता करती है ।
- सामान्यतया दूसरों के अधिकारों के लिए एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य करती है ।
- सिविल सोसाइटी सामान्यता बौद्धिक व्यक्तियों एवं विशेषज्ञ समूह के रूप में कार्य करती है ।
- शिक्षा,समानता, मूल निवासियों के अधिकार ,दलितों के अधिकार, महिलाओं के अधिकार ,पर्यावरण सुरक्षा ,वन्य प्राणियों के संरक्षण ,पालतू जानवरों के अधिकार, समुद्री जीवो के अधिकार ,वृद्धों के अधिकार, विस्थापितों के अधिकार आदि के लिए कार्य करती है ।

- सामान्यता अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ, वर्ल्ड इकोनामिक फोरम ,अंकटाड ,ओईसीडी, आदि के साथ मिलकर मानव विकास ,पर्यावरण संरक्षण ,नागरिक अधिकारों और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य करती है ।
- कई बार यह सरकारों के साथ मिलकर कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन बीच में भी सहयोग प्रदान करती है ।

सैद्धांतिक विशेषताओं के अलावा सिविल सोसाइटी कुछ निम्नलिखित विशेषताएं हैं जो अपेक्षाकृत अधिक वैज्ञानिक प्रकृति की हैं जिसके कारण इसे मापन योग्य विशेषताएं भी कहा जाता है अर्थात इनकी माप एवं गणना संभव है ।

https://www.icnl.org/resources/research/ijnl/defining-characteristics-of-civil-society

GOVT. VYT PG AUTONOMOUS COLLEGE DURG (C.G)
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
LET THE NOBLE THOUGHTS COME FROM EVERYWHERE
ACCREDITED AS A+ BY NAAC
Dr. SHAKEEL HUSAIN